अवैध उत्खनन

लालखाटी और रहंगी घाट पर जान जोखिम में डालकर भरी जा रहीं ट्रॉलियां, प्रशासन की बैठकों के बाद भी नहीं थम रहा अवैध उत्खनन

नर्मदा में बेखौफ अवैध रेत खनन, बीच नदी में दौड़ रहे ट्रैक्टर

डिंडोरी, नवभारत 14 मार्च। जिले में नर्मदा नदी से अवैध रेत खनन का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। ग्राम पंचायत पाटन के लालखाटी तथा ग्राम पंचायत रुसा के रहगी क्षेत्र में खुलेआम रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। हालात यह हैं कि नदी के बीच तक ट्रैक्टर दौड़ाए जा रहे हैं और मजदूर जान हथेली पर रखकर ट्रॉलियों में रेत लोड करते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार दिन और रात दोनों समय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से नदी से रेत निकाली जा रही है। नदी के बीच तक वाहन पहुंचाकर जोखिम भरे तरीके से रेत भरने का काम किया जा रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

बैठकें हो रहीं, लेकिन नहीं रुक रहा अवैध खनन

जिला प्रशासन द्वारा आए दिन बैठकें आयोजित कर अवैध खनन एवं रेत के अवैध परिवहन पर कार्रवाई को लेकर खनिज, राजस्व, पुलिस सहित संबंधित विभागों को निर्देशित किया जाता है। बावजूद इसके जिले में नर्मदा नदी से अवैध खनन और रेत का परिवहन लगातार जारी है, जिससे प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं।

पर्यावरण और राजस्व दोनों को नुकसान

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से यह अवैध खनन चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे शासन को राजस्व की हानि हो रही है, वहीं नदी के जलधारा को भी नुकसान पहुंच रहा है।

कार्रवाई की उठी मांग

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता से जांच कर अवैध खनन में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि नर्मदा नदी के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सके।

नल सूखा, बिल पूरा! मानपुर नप की अनोखी जल सेवा

पानी नहीं, सीधे नोटिस की सप्लाई, ग्रामीणों के घरों में आज तक नल का एक बूंद पानी नहीं पहुंचा

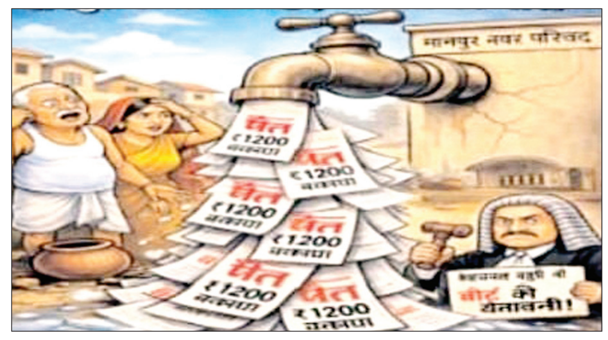

चिल्हारी नवभारत 14 मार्च। उमरिया जिले के मानपुर नगर परिषद मानपुर की कार्यप्रणाली इन दिनों चर्चा में है। वजह है वार्ड क्रमांक 9 में पहुंचा ऐसा जलकर नोटिस, जिसने लोगों को हैरान ही नहीं बल्कि नाराज भी कर दिया है।

रहवासियों का कहना है कि उनके घरों के नल वर्षों से सूखे पड़े हैं, लेकिन नगर परिषद की फाइलों में पानी शायद गंगा की तरह बह रहा है, तभी तो 1200 का जलकर बिल थमा दिया गया है। मामला वार्ड 9 निवासी जगदीश प्रसाद गुप्ता से जुड़ा है। उन्हें नगर ने परिषद मानपुर की ओर से 9 फरवरी को एक पत्र मिला, जिसमें 1 अप्रैल 2025 व से 31 जनवरी 2026 तक का 71200 जलकर बकाया बताया गया है। साथ ही सात दिनों के भीतर भुगतान करने के निर्देश दिए गए हैं और चेतावनी दी गई है कि समय पर पैसा जमा नहीं करने पर नल कनेक्शन काटकर मामला दर्ज किया जाएगा।

पानी अभी तक कागजों में ही बह रहा

अब दिलचस्प बात यह है कि जिस नल का कनेक्शन काटने की चेतावनी दी जा रही है, वहां के रहवासियों का कहना है कि उनके घरों में आज तक नल से पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची। मोहल्ले में पाइप लाइन जरूर बिछी है, लेकिन पानी अभी तक कागजों में ही बह रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद ने कागजों में नल जल योजना पूरी दिखा दी, लेकिन जमीन पर हालात बिल्कुल उलट हैं।

पानी की जगह बिल सप्लाई योजना चल रही है

लोगों का तंज है कि मानपुर में शायद अब पानी नहीं, बिल सप्लाई योजना चल रही है, जहां पहले बिल पहुंचता है और पानी का नंबर शायद भविष्य में आए। वार्डवासियों का कहना है कि चुनाव के समय नेताओं ने साफ पानी और बेहतर सुविधाओं के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन तीन साल बीतने के बाद भी कई घरों में नल से पानी नहीं पहुंचा। ऐसे में बिना पानी दिए जालकर वसूलना लोगों को समझ से परे लग रहा है।

घरों का भौतिक सत्यापन कराया जाए : पार्षद

इस पूरे मामले पर वार्ड पार्षद खुशबू गुप्ता ने भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि उन्होंने सीएमओ को अवगत कराते हुए मांग की है कि पहले वार्ड के सभी घरों का भौतिक सत्यापन कराया जाए। जिन घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है, उनका जलकर तुरंत निरस्त किया जाए और जल्द से जल्द पानी की व्यवस्था की जाए। फिलहाल यह मामला नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

बिजली विभाग की लापरवाही से दहशत

करंजिया में घरों के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन

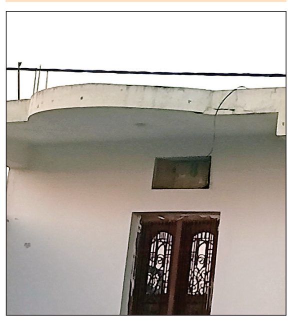

करंजिया, नवभारत 14 मार्च। जिले के करंजिया क्षेत्र में बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। नगर के कुछ मोहल्लों में हाई वोल्टेज बिजली के तार सीधे लोगों के घरों के ऊपर से गुजर रहे हैं, जिससे स्थानीय निवासियों में डर और नाराज़गी का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई घरों के ऊपर से गुजर रही ये हाई वोल्टेज लाइनें कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। बरसात के मौसम या तेज हवा के दौरान तारों के झूलने का खतरा और बढ़ जाता है, जिससे करंट फैलने या तार टूटने की स्थिति में जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है।

रहवासियों ने बताया कि इस समस्या की जानकारी कई बार बिजली विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

लोगों ने की लाइन शिफ्ट करने की मांग

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द इन हाई वोल्टेज तारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए या भूमिगत केबल की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। अब देखना यह होगा कि बिजली विभाग और प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक लोगों को इस खतरे से राहत मिल पाती है।

घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर प्रशासन सख्त

होटल-ढाबों का किया औचक निरीक्षण, तीन सिलेंडर जब्त

शहपुरा, डिण्डौरी, नवभारत 14 मार्च। जिले में घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर की नियमित और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर डिंडोरी द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाए।

कलेक्टर के निर्देशों के पालन में दिनांक 13 मार्च को सहायक आपूर्ति अधिकारी जयंत असराटी द्वारा नगर शहपुरा में कई होटल एवं ढाबों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जबलपुर रोड स्थित कान्हा भोजनालय में दो घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया गया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दोनों सिलेंडरों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

संचालकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

इसी प्रकार यादव ढाबा, शहपुरा में भी एक घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग पाया गया, जिसे विभागीय टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जब्त कर लिया। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का इस प्रकार व्यावसायिक उपयोग करना अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। मामले में संबंधित संचालकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

होटल व ढाबा संचालकों में हड़कम्प

प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से नगर के होटल एवं ढाबा संचालकों में हड़कंप की स्थिति बन गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि आगे भी ऐसे प्रतिष्ठानों पर लगातार निरीक्षण और कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की उपलब्धता में किसी प्रकार की बाधा न आए।

पनपथा कोर क्षेत्र में दिखे 20 से अधिक जंगली हाथी

चिल्हारी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) में एक बार फिर जंगली हाथियों का झुंड देखा गया है। पनपथा कोर क्षेत्र के हरदी और चितराव गांवों के पास जंगल में 20 से अधिक हाथी विचरण करते पाए गए हैं। इस घटना के बाद बीटीआर प्रबंधन सतर्क हो गया है। जानकारी के मुताबिक, हाथियों का यह झुंड पनपथा कोर क्षेत्र के चितराव और हरदी गांव से लगे जंगल में एक तालाब के पास देखा गया। हाथियों की मौजूदगी के कारण आसपास के गांवों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। वन विभाग की टीम हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या फसल को नुकसान होने से रोका जा सके। बताया जा रहा है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों ने अब लगभग स्थायी ठिकाना बना लिया है। ये हाथियों के झुंड बीटीआर के साथ-साथ सामान्य वन मंडल के क्षेत्रों में भी समय समय पर विचरण करते रहते हैं।

श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

आचार्य अनादि मिश्रा ने सुदामा चरित्र का मार्मिक प्रसंग सुनाया

शहपुरा नवभारत 14 मार्च। नगर के मेहरबानी रोड स्थित गैस एजेंसी के पास यादव समाज द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन 9 मार्च से 16 मार्च तक किया जा रहा है। धार्मिक माहौल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं।

नगर सहित दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से भी भक्त कथा का रसपान करने आ रहे हैं। कथा के दौरान शनिवार को सुदामा चरित्र का मार्मिक प्रसंग कथावाचक आचार्य अनादि मिश्रा द्वारा सुनाया गया। सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की मित्रता का भावपूर्ण वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। आचार्य श्री ने अपने ओजस्वी वाणी और मधुर शैली से उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रतिदिन प्रसाद का किया जा रहा वितरण

कथा पंडाल में भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। आयोजन समिति के अनुसार प्रतिदिन कथा के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पूरे आयोजन में यादव समाज के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। श्रद्धालुओं ने इसे आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया।

भारतीय किसान संघ कार्यकारिणी का सामूहिक इस्तीफा

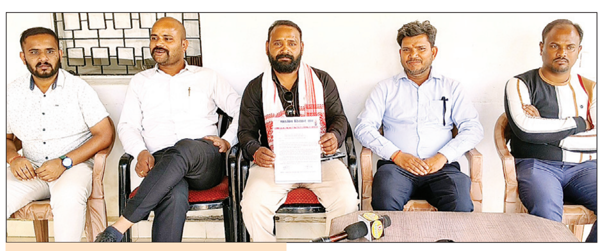

किसानों की समस्याओं पर कार्रवाई नहीं होने पर लिया बड़ा निर्णय

शहपुरा नवभारत 14 मार्च। किसानों की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाने वाले भारतीय किसान संघ की जिला इकाई ने बड़ा निर्णय लेते हुए अपने दायित्वों से सामूहिक रूप से कार्यमुक्त हुआ। संगठन के पदाधिकारियों ने इस संबंध में पत्र भेजकर अपने पदों से मुक्त करने का अनुरोध किया है।

जानकारी के अनुसार भारतीय किसान संघ द्वारा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर लंबे समय से शासन-प्रशासन तक आवाज उठाई जा रही थी। संगठन के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसानों की समस्याएं सुनते रहे और संगठन का विस्तार करते हुए कई ग्राम समितियों का गठन भी किया गया, जिससे संगठन की सक्रियता पूरे जिले में बढ़ी।

29 प्रमुख मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था-बताया गया कि किसानों की मांगों को लेकर 29 दिसंबर 2025 से शहपुरा के रानी दुर्गावती स्टेडियम में अनिश्चितकालीन हड़ताल भी की गई थी। इस आंदोलन के दौरान किसानों की 29 प्रमुख मांगों को लेकर ज्ञापन जबलपुर संभाग के आयुक्त को सौंपा जाना था। इसके बावजूद किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

प्रयासों का कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिला-जिला पदाधिकारियों का कहना है कि किसान हितों के लिए लगातार संघर्ष करते हुए संगठन के कार्यकर्ताओं ने व्यक्तिगत स्तर पर भी समय और धन खर्च किया। इसके बावजूद संगठन स्तर पर उनकी मांगों और प्रयासों को लेकर कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिला। इसी कारण संगठन के जिला पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से अपने दायित्वों से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया।

किसानों की आवाज उठाने के लगातार किए प्रयास-इस संबंध में संगठन के जिला अध्यक्ष बिहारी लाल साहू और जिला मंत्री एड. निर्मल कुमार साहू के हस्ताक्षरयुक्त पत्र संगठन के प्रांत पदाधिकारियों को भेजा गया है। पत्र में कहा गया है कि किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित सहयोग और सकारात्मक परिणाम नहीं मिलने के कारण यह निर्णय लेना पड़ा।

एसडीएम के बंगले पर गिरा सूखा पेड़

बंगला हुआ क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचीं अधिकारी

चिल्हारी नवभारत 14 मार्च। उमरिया जिले के मानपुर विधानसभा मुख्यालय स्थित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के बंगले में शुक्रवार की दोपहर अचानक एक वर्षों पुराना बड़ा सूखा पेड़ भरभरा कर गिर गया। उक्त पेड़ के गिरने से एसडीएम निवास क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि उस वक्त एसडीएम बंगले पर नहीं थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी अनुसार मानपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रतिदिन की तरह शुक्रवार की सुबह भी अपने बंगले के सामने टहल रहीं थी और दोपहर को विशालकाय पेड़ उन्हीं के बंगले के ऊपर गिर गया। सूत्रों की माने तो एसडीएम को महीनों पहले से यह आभास हो गया था कि उक्त सूखा पेड़ किसी भी दिन गिर सकता है, जिसकी जानकारी कई बार नगरपरिषद कार्यालय के सीएमओ को दी गई लेकिन जिम्मेदार अधिकारी का हमेशा की तरह उदासीन रवैया अपनाते रहे और ध्यान नहीं दिया। अंततः पेड़ गिर गया और बंगले को क्षतिग्रस्त कर दिया।

सीएमओ पर कार्यवाही की मांग-जानकारों का मानना है कि नगर परिषद के सीएमओ का हर काम में उदासीन रवैया अपनाना कहीं नगरवासियों के लिए कोई बड़ी मुसीबत न पैदा कर दे। इसलिए समय रहते ऐसे भ्रष्ट अधिकारी को एक मुहिम चलाकर यहां से हटा कर अन्यत्र भेजा जाए। कलेक्टर से जनापेक्षा है कि संबंधित मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कर कार्य में लापरवाही बरतने वाले सीएमओ के ऊपर कानूनी शिकंजा कसा जाए, क्योंकि उनकी लापरवाही के कारण आज अगर कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती तो कौन जिम्मेदार होता।

गैस बुकिंग ठप, उमरिया से पाली तक हाहाकार

सिलेंडर के लिए एजेंसियों के चक्कर काट रहे उपभोक्ता

नवभारत उमरिया 14 मार्च। जिले में घरेलू गैस वितरण व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह चरमरा गई है। गैस बुकिंग की प्रक्रिया प्रभावित होने से उमरिया जिला मुख्यालय के साथ-साथ बिरसिंहपुर पाली में भी उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फोन पर बुकिंग नहीं लगने और सर्वर में तकनीकी दिक्कत के कारण लोग एजेंसियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

उमरिया जिला मुख्यालय में गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कई उपभोक्ता तीन से चार दिनों से सिलेंडर के लिए एजेंसी पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। जिले में कुल 12 गैस एजेंसियों के माध्यम से घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति की जाती है, लेकिन दो प्रमुख एजेंसियों में सबसे ज्यादा अव्यवस्था देखने को मिल रही है। एनएच-43 स्थित चपहा की एचपी गैस एजेंसी में सुबह से ही लंबी कतारें लग रही हैं और घंटों इंतजार के बाद लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा।

दो दिनों से चक्कर लगाने के बाद भी नहीं मिला सिलेंडर-एक उपभोक्ता ने बताया कि वह लगातार दो दिनों से एजेंसी आ रहा है, लेकिन अभी तक सिलेंडर नहीं मिल पाया है। मुकेश प्रजापति ने बताया कि वह तीन दिनों से एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन हर बार निराश होकर लौटना पड़ रहा है। उधर उमरिया की इंडेन गैस एजेंसी में भी उपभोक्ताओं को इसी तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

तकनीकी समस्या से बुकिंग प्रभावित हो रही-एजेंसी ऑपरेटर का कहना है कि सर्वर में तकनीकी समस्या आने के कारण गैस बुकिंग और वितरण दोनों प्रभावित हुए हैं। तकनीकी दिक्कत दूर होने के बाद व्यवस्था सामान्य होने की बात कही जा रही है, लेकिन फिलहाल उमरिया और पाली क्षेत्र के उपभोक्ताओं की परेशानी कम होती नजर नहीं आ रही।

कलम की ताकत से कोई भी गलत काम करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता : अली

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का सम्मेलन आयोजित

नवभारत उमरिया 14 मार्च। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संग के प्रदेश अध्यक्ष जलभ भदौरिया के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का सम्मेलन व नवीन सदस्यता कार्ड वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन प्रभारी मोहम्मद अली अध्यक्षता प्रदेश महासचिव दिनेश अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव मेहदी हसन प्रदेश विज्ञापन प्रभारी नीरज सिंह रघुवंती संभागीय संयुक सचिव रामस्वयंवर शर्मा जिलाध्यक्ष चंद्रकांत दुबे जिला महासचिव विजय द्विवेदी ने मां सरस्वती के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करुंगा : अग्रवाल-इस अवसर पर मुख्य अतिथि मोहम्मद अली ने कहा कि जो लोग चाहे प्रिंट मीडिया या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़ा है वह लोकतंत्र में चौथा स्तंभ होता है। भारत का लोकतंत्र सबसे मजबूत है। इसका श्रेय किसी को जाता है तो वह हमारे पत्रकार साथी है, जिनकी कलम की ताकत से कोई भी गलत काम करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश महासचिव दिनेश अग्रवाल ने कहा कि जो मुझे जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जो जिम्मदारी दी गई है उसका ईमानदारी से निर्वहन करुंगा।

नप सीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी

सीवर लाइन एवं एसटीपी निर्माण कार्य की होगी जांच

डिंडौरी, नवभारत 14 मार्च। नगर परिषद डिंडौरी में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत किए जा रहे सीवर लाइन एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण कार्य को लेकर प्राप्त शिकायतों को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा संभावित लीकेज के कारण तालाब के पानी के प्रदूषित होने की आशंका के मामले में कलेक्टर द्वारा जांच के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार पुरानी डिंडौरी स्थित डेम/तालाब के भीतर से सीवर लाइन डाली गई है, जिसमें कुछ स्थानों पर संभावित लीकेज की आशंका व्यक्त की गई है। इससे तालाब के पानी के प्रदूषित होने की संभावना को लेकर स्थानीय स्तर पर चिंता जताई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर कार्यालय द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता और वास्तविक स्थिति की जांच के लिए एक जांच दल गठित किया गया है।

दस्तावेज उपलब्ध कराने के दिए थे निर्देश

जांच दल को आवश्यक अभिलेख और दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए नगर परिषद डिंडौरी को निर्देशित किया गया था। इस संबंध में कलेक्टर कार्यालय द्वारा 25 फरवरी 2026 को आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को जांच में सहयोग करने तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय-सीमा के बावजूद नगर परिषद द्वारा अपेक्षित जानकारी एवं अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), नगर परिषद डिंडौरी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

डिंडौरी की स्वास्थ्य सेवाओं को मिली राष्ट्रीय पहचान

तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मिला एनक्यूएएस का राष्ट्रीय प्रमाणन

डिंडौरी, नवभारत 14 मार्च। दूरस्थ वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में डिंडौरी जिले ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार की राष्ट्रीय मूल्यांकन टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद जिले के तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप-स्वास्थ्य केंद्र) को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

गत माह राष्ट्रीय मूल्यांकन टीम ने जिले के विभिन्न विकासखंडों में संचालित उप-स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तृत निरीक्षण किया था। निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आकांक्षी विकासखंड बजाग के ग्राम जल्दा, मेहंदवानी विकासखंड के नेझर तथा अमरपुर विकासखंड के भैंसवाही स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को यह राष्ट्रीय प्रमाणन प्रदान किया गया है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप दी जा रहीं सेवाएं

यह प्रमाणन इस बात का प्रमाण है कि इन स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, ओपीडी सेवाएं, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाएं राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप प्रदान की जा रही हैं। इससे जिले के दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों में निवासरत लोगों को अपने ही क्षेत्र में बेहतर और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

स्वास्थ्य टीम के समर्पित प्रयासों का परिणाम : कलेक्टर

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया एवं एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह सफलता जिले की स्वास्थ्य टीम के समर्पित प्रयासों और सतत मेहनत का परिणाम है। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों को भी इसी प्रकार राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप प्रमाणित कराया जाएगा, जिससे अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित हो सकें।